RP -- 04

B.A.B.Ed. (Semester – V) Examination, Oct./Nov. 2018
HINDI (Paper – V)
Hindi Sahitya : Aadikaal Evam Bhaktikaal

Duration : 2 Hours Total Marks : 70

1. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के लघु उत्तर लिखिए : **(3×5=15)**
   i) आदिकालीन शासक विदेशी आक्रमणों का सामना क्यों नहीं कर पाए ?
   ii) सिद्ध साहित्य की किन्हीं दो विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए ।
   iii) गोरखनाथ का संक्षिप्त परिचय दीजिए ।
   iv) कबीर किस तरह के 'सुमिरन' को 'सुमिरन' नहीं मानते ? क्यों ?
   v) कबीर संगति के महत्व को कैसे समझाते हैं ?

2. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के लघु उत्तर लिखिए । **(3×5=15)**
   i) भक्तिकालीन स्त्रियों की दशा पर प्रकाश डालिए ।
   ii) हिन्दु-मुसल्मानों के बीच की खाई को कम करने के लिए सूफी कवियों की क्या भूमिका रही ?
   iii) सूरदास का संक्षिप्त परिचय दीजिए ।
   iv) 'जब मैं था तब हरि नहीं, अब हरि है मैं नहीं' - पंक्ति का अभिप्राय बताइए ।
   v) कबीर प्रेम के प्याले के बारे में क्या कहते है ?

3. अ) निम्नलिखित अवतरणों की संदर्भ सहित व्याक्या कीजिए : **5**
   i) साधो, देखो जग बौराना ।
   साँची कहौ तौ मारन धावै झूँठे जग पतियाना ।
   हिन्दु कहते है राम हमारा मुसलमान रहमाना ।
   आपस में दोऊ लड़े मरतु हैं मरम कोई नहिं जाना ।
   बहुत मिले मोहिं नेमी धर्मी प्रात करै असनाना ।
   आतम-छोड़ि पषानै पूजै तिनका थोथा ज्ञाना ।
   आसन मारि डिंभ धरि बैठे मन में बहुत गुमाना ।
   पीपर-पाथर पूजन लागे तीरथ-बर्त भुलाना ।
   माला पहिरे टोपी पहिरे छाप-तिलक अनुमाना ।
   साखी सब्दै गावत भूले आतम खबर न जाना ।

   अथवा

ii) दुलहनीं गावहु मंगलचार –
हम धरि आये हो राज़ भरतार ।।
तन रत करि मैं मन रत करिहूँ, पंचतत बराती ।
रामदेव मोरै पाँहनैं आये मैं जोबन मैं माती ।
सरीर सरोवर बेदी करिहूँ , ब्रह्मा वेद उचार ।
रामदेव संगि भांवरि लैहूँ, धनि धनि भाग हमारा ।
सुर तेतीसूं कौतिग आये, मुनियर सहस अठ्यासी ।
कहै कबीर हम ब्याहि चले हैं, पुरिष एक अविनासी ।।

आ) i) 'कबीर धार्मिक बाह्याडंबर के घोर विरोधी थे' – पठित पदों के आधार पर स्पष्ट कीजिए । 5

अथवा

ii) पठित पदों के आधार पर कबीर द्वारा वर्णित गुरूमहीमा का विश्लेषण कीजिए । 5

4. अ) आदिकालीन राजनीतिक परिवेश पर प्रकाश डालिए । 10

अथवा

आ) टिप्पणियाँ लिखिए । (5+5=10)

i) आदिकालीन धार्मिक और सांस्कृतिक परिवेश ।

ii) नाथ काव्य ।

5. अ) रामभक्ति काव्य की विशेषताओं का विवेचन कीजिए । 10

अथवा

आ) टिप्पणियाँ लिखिए । (5+5=10)

i) संत काव्य: समाज का दर्पण ।

ii) कृष्ण काव्य में वात्सल्य रस ।

6. अ) रासो काव्य की प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए । 10

अथवा

आ) टिप्पणियाँ लिखिए । (5+5=10)

i) सूफी काव्य ।

ii) तुलसीदास ।